फरीदाबाद
मजदूर समाचार
हर जगह, सब से, जब भी समय मिले

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें—
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in>

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद - 121001

नई सीरीज नम्बर **323** 1/— *मई* **2015**

ओखला औद्योगिक क्षेत्र में

दिल्ली सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन : अकुशल श्रमिक 9048 रुपये मासिक (8 घण्टे के 348 रुपये); अर्ध-कुशल श्रमिक 10,010 रुपये मासिक (8 घण्टे के 385 रुपये); कुशल श्रमिक 10,998 रुपये मासिक (8 घण्टे के 423 रुपये)। इस सन्दर्भ में तीन फोन नम्बर — 1031; 12789; 2392330 और तीन ई-मेल —< cmdelhi@nic.in >; < gopalrai.delhi@gov.in >; < labjlc2.delhi@nic.in > एक डाक पता — श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार , 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली—110054

दिल्ली स्थित फैक्ट्रियों में काम करते अधिकतर मजदूरों को दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं दिया जाता। और, कानून अनुसार ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से तो 98 प्रतिशत ओवर टाइम के लिये नहीं किया जाता। इसकी एक झलक के लिये ओखला में फैक्ट्रियों में काम करते कुछ साथियों की बातें यहाँ प्रस्तुत हैं।

✶ ***थीम एक्सपोर्ट मजदूर :*** ''डी-5 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 450 सिलाई कारीगरों और फिनिशिंग विभाग के 350 मजदूरों की सुबह 9½ से साँय 6 की ड्युटी है पर रोज रात 8½ तक काम और रात 1 बजे तक रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। सुबह 11 और साँय 4 बजे टी ब्रेक नहीं देते। हैल्परों की तनखा 6500 रुपये, टेलरों और चैकरों की 9000 रुपये। तनखा देरी से, 18-20 तारीख को, मजदूर काम बन्द करते हैं तब कम्पनी पुलिस बुला लेती है। आयु प्रमाण के लिये हर मजदूर से डेन्टल सर्टिफिकेट पर 70 रुपये खर्च करवाते हैं। पहचान-पत्र निशा फैशन के नाम से हैं। ऐसा ही कम्पनी की ओखला फेज-2 में एक्स-28 तथा एक्स-42 फैक्ट्रयों में है।''

✶ ***इनटैक श्रमिक :*** ''बी-59 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में 200 मजदूर सुबह 9 से रात 8 की शिफ्ट में इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाते हैं। हैल्परों की तनखा 4000-4500 रुपये, नये कारीगरों की 6200-7000 और 10 वर्ष से अधिक वाले कारीगरों की 8000-8500 रुपये। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। ई एस आई तथा पी एफ किसी मजदूर की नहीं।''

✶ ***क्रियेटिव कॉम्पलैक्स स्टोर कामगार :*** डी डी ए शेड 26 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में 130 सिलाई कारीगर और फिनिशिंग विभाग में 70 वरकर काम करते हैं। धागे काटते मजदूरों की तनखा 6000 रुपये, चैकरों की 9500, टेलरों की 9300 रुपये। शिफ्ट सुबह 9 से रात 9 की है और रात 1 बजे तक रोकते हैं। महीने में 100 से 150 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से।''

✶ ***एशियन हैण्डीक्राफ्ट वरकर :*** '' एस-31 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में कार्यरत 200 महिला मजदूरों को 8 घण्टे कार्य के मात्र 140 रुपये देते हैं। पुरुष हैल्परों को 8 घण्टे के 200 रुपये और सिलाई कारीगरों को 300 रुपये। ई एस आई व पी एफ की राशि तनखा से कभी काट लेते हैं और कभी काटना बन्द कर देते हैं। सुबह 9½ से रात 10-11 तक स्त्री तथा पुरुष मजदूरों की ड्युटी, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।''

✶ ***थॉमसन प्रेस मजदूर :*** ''बी-315 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9½ से साँय 6 की शिफ्ट है और जबरन रात 10, अगली सुबह 6 बजे तक रोक लेते हैं। ड्युटी के बाद के समय को कम्पनी ओवर टाइम नहीं कहती। रात 10 बजे तक रोकते हैं तब मात्र 150 रुपये देते हैं और इन 4 घण्टे ओवर टाइम को फॉर्म में कनवेयन्स दिखाते हैं। अगली सुबह 6 बजे तक रोकते हैं तब 12 घण्टे ओवर टाइम को फॉर्म में कनवेयन्स दिखा कर मात्र 350 रुपये देते हैं। साप्ताहिक अवकाश के दिन, रविवार को जब 8 घण्टे काम करवाते हैं तब उस ओवर टाइम को भी फॉर्म में कम्पनी कनवेयन्स दिखाती है और उसके 450 रुपये देती है।''

✶ ***मार्क्स सप्लाई सोल्युशन्स श्रमिक :*** '' एफ- 23/3 ओखला फेज-2 स्थित जनरल वेयर हाउस में महिला मजदूरों की तनखा 6000 रुपये, पुरुष हैल्परों की 6500 और कारीगरों की 7500 रुपये से अधिक। सुबह 9 से साँय साढे छह की शिफ्ट है और रात 8, रात 9 तक रोक लेते हैं पर अतिरिक्त समय के कोई पैसे नहीं देते।''

✶ ***विक्टर कामगार :*** '' बी-86 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 300 मजदूर सुबह 9 से रात 8½ की शिफ्ट में सैमसंग, एल जी, मैक्रोमैक्स आदि के इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाते हैं। तनखा 4500 से 5000 रुपये। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से।''

✶ ***जे जे एक्सपोर्ट वरकर*** : '' सी-54/2 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में कार्य करते 500 मजदूरों में हैल्परों की तनखा 6500 से 7500 रुपये थी। मजदूरों ने कदम उठाये। सरकारी अधिकारी तीन बार जाँच करने आये तब कम्पनी ने सब मजदूरों को फैक्ट्री के बाहर कर दिया और साहब लोग बोले कि यह कम्पनी के मजदूर नहीं हैं। अन्ततः सब मजदूरों को फैक्ट्री में लिया गया और अप्रैल माह से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू करने की बात हुई है। ऐसा ही जे जे एक्सपोर्ट कम्पनी की जैड-22 ओखला फेज-2 फैक्ट्री में हुआ है।''

✶ ***लैदर कारीगर :*** ''ओखला फेज-1 में ए-265 व 266 स्थित ***पाल इन्टरप्राइजेज,*** एफ-29 स्थित ***पाहवा इन्टरप्राइजेज***, सी-32 स्थित ***झा इन्टरप्राइजेज*** फैक्ट्रियों में चमड़े का कार्य होता है। इन सब में कारीगर पीस रेट पर हैं और हैल्परों की तनखा 4-5-6 हजार रुपये है।''

✶ ***अनसुन मल्टीटेक वरकर :*** '' बी-123 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की शिफ्टों में जिप-चेन बनाते 350 मजदूरों पर 350 स्टाफ के लोग हैं। कम्पनी रोल पर 200 मजदूर हैं, सब को, 20 वर्ष से कार्य कर रहे, मशीनें चला रहों को अकुशल श्रमिक के लिये निर्धारित न्यूनतम वेतन देते हैं। ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 150 मजदूरों की तनखा 5600 रुपये, रोज के 3 घण्टे ओवर टाइम के जोड़ कर महीने में कुल 7000 रुपये और इधर जनवरी से ई एस आई व पी एफ लागू किये हैं। सब मजदूरों को ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। स्टाफ की तनखा 18-20 हजार रुपये के अलावा दो नम्बर में (ब्लैक मनी) दस हजार से अधिक रुपये का पैकेज देते हैं।'' ✶ ***अलोवा मजदूर :*** '' सी-58 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में पुराना ग्रेड दे रहे हैं — कहते हैं सरकार से पत्र नहीं आया है।''

✶ ***कलरोबार श्रमिक :*** '' एफ-23/3 ओखला फेज-2 में ऊपरी मंजिल पर स्त्री श्रृंगार सामग्री की पैकिंग होती है। यहाँ भर्ती पर मजदूर की तनखा 5500 रुपये है और 6 महीने बाद 6000 रुपये।''

(शेष पृष्ठ चार पर)

कुछ सामान्य-रुटीन बातचीत

ए डी आई ऑटोमोटिव्ज मजदूर : ''बिनौला इन्डस्ट्रीयल एरिया, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में मार्च की तनखा 13 अप्रैल तक नहीं दी तब भोजन अवकाश के बाद डेढ बजे पावर प्रैस मजदूरों ने काम आरम्भ नहीं किया। पावर प्रैसें बन्द और बगल में टूल रूम में भी वरकरों ने काम शुरू नहीं किया। सुपरवाइजर और फिर इंजीनियर ने काम करने को कहा तो मजदूरों ने पहले तनखा की बात की। मैनेजर आया और 15 को तनखा दे देंगे कह कर मशीनें चलवाई। मजदूरों को 15 अप्रैल को पता चला कि आज भी तनखा नहीं मिलेगी। इस पर भोजन अवकाश के बाद ठेकेदारों के जरिये रखे 250-300 वरकर फैक्ट्री के बाहर चले गये। कम्पनी रोल वाले चन्द लोग ही फैक्ट्री में रहे। इस बार कोई सुपरवाइजर, इंजीनियर, मैनेजर मजदूरों के पास नहीं गया। तब मैनेजिंग डायरेक्टर बाहर बैठे मजदूरों के पास गया : 14 को बैंक बन्द थे इसलिये पैसे नहीं निकाल पाये, कल तनखा दे देंगे, अगले महीने से 10 तारीख से पहले पैसे देंगे। एक घण्टे बाद मजदूरों ने फैक्ट्री में प्रवेश किया।''

भारत गियर श्रमिक : '' फरीदाबाद में गुरुकुल इन्द्रप्रस्थ औद्योगिक क्षेत्र में 1999 में फैक्ट्री शुरू हुई और 2010 में यहाँ आई टी आई किये 350 स्थाई मजदूर तथा 100 मैनेजमेन्ट स्टाफ था। तनखा कम, 7500-8000 रुपये, बढवाने के लिये 2010 में एक यूनियन से जुड़े। कम्पनी ने 7000 रुपये तनखा में डिप्लोमा वाले भर्ती किये, उन से मशीनें चलवाई, और उन्हें स्टाफ में बताया। सितम्बर 2010 में 2900 रुपये तीन वर्ष में बढाने का मैनेजमेन्ट-यूनियन समझौता हुआ। डिप्लोमा वालों की सँख्या बढ कर 200 हुई और आई टी आई वाले घट कर 180 हो गये। फिर इन 180 में 20 को कम्पनी ने सीनियर लाइन लीडर बनाया और मैनेजमेन्ट तथा यूनियन ने 40 अन्य को लाइन लीडर बनाया। अप्रैल 2014 में मैनेजमेन्ट-यूनियन समझौते में तीन वर्ष में 5600 रुपये बढाना...... बदमाशी यह की : सीनियर लाइन लीडर को 170 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त और लाइन लीडर को 140 रुपये प्रतिदिन अतिरिक्त। अब आम स्थाई मजदूरों की तनखा 12-14 हजार रुपये है जबकि लाइन लीडरों की 16-20 हजार और सीनियर लाइन लीडरों की 18-22 हजार रुपये। डिप्लोमा वालों में नये की तनखा 8000 रुपये और पुरानों की 12-14 हजार रुपये, कैन्टीन के 30 रुपये प्रतिदिन काटते हैं जबकि स्थाई मजदूरों के 8 रुपये ही। डिप्लोमा वालों की वर्ष में 30 सवेतन छुट्टियाँ थी पर जनवरी 2015 से यह 15 कर दी हैं। वैसे, ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 250 मजदूर भी हैं, इन्हें कैन्टीन में भोजन नहीं देते। यह मजदूर सीधे प्रोडक्शन में नहीं हैं, इनकी 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।''

रोलैक्स हौजरी कामगार : '' प्लॉट 7, आई डी सी, महरौली रोड, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में पीस रेट पर और तनखा में देरी पर कई बार मारपीट हो चुकी है। यहाँ काम करते 150 पीस रेट मजदूरों को मार्च की तनखा 2 मई को जा कर दी है। फिनिशिंग में 120 से 150 घण्टे ओवर टाइम महीने में होता है लेकिन भुगतान 80 घण्टे का फिक्स कर रखा है और वह भी सिंगल रेट से। बोनस नहीं देते, दीवाली पर मिठाई भी नहीं — 15 वर्ष में एक साल ही मिठाई दी है। यहाँ ***गैप, दिदे*** आदि का माल बनता है।''

अलर्ट इंडिया वरकर : '' नाथुपर, जिला सोनीपत स्थित फैक्ट्री में 1000 मजदूर दिन में 11 तथा रात में 13 घण्टे की शिफ्टों में ***रिलैक्सो, लखानी, बाटा, लिबर्टी, रैड चीफ, वुडलैण्ड*** आदि के जूतों के सोल बनाते हैं। ओवर टाइम नाम की कोई चीज कम्पनी नहीं मानती। ठेकेदारों के जरिये रखे 900 मजदूर पीस रेट पर हैं और कम्पनी रोल वाले 100 मजदूरों को 26 दिन 11 अथवा 13 घण्टे रोज ड्युटी के बदले 7000-7500 रुपये देते हैं। ई एस आई व पी एफ 950 मजदूरों के नहीं हैं। कैन्टीन नहीं है। फैक्ट्री में जगह- जगह पर कैमरे लगा रखे हैं।''

रोहन आई एन सी मजदूर : '' 499 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में पानी की भारी दिक्कत है। नौकरी छोड़ देने पर किये काम के पैसों के लिये बहुत चक्कर कटवाते हैं। हैल्परों की तनखा 5000 रुपये।''

पिसिस्ल श्रमिक : ''प्लॉट बी-72 सैक्टर-57 नोएडा स्थित लैदर फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 4-5 हजार रुपये और कारीगर पीस रेट पर।''

जे एन एस इन्सट्रुमेन्ट्स मजदूर : ''प्लॉट 4 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में 30 अप्रैल को रात की ड्युटी में पुरुष मजदूरों ने काम बन्द कर मार्च में किये ओवर टाइम के पैसे माँगे। अगले दिन, 1 मई को मिल जायेंगे कह कर काम शुरू करवाया। पहली मई को भी पैसे नहीं दिये, साँय 4 बजे महिला मजदूर काम बन्द कर साहबों के पास गई। रजिस्टर खो गया है कह कर शीघ्र ही मार्च के ओवर टाइम के पैसे देने का आश्वासन दिया।''

वी जी कौशिको इंजीनियरिंग वरकर : '' प्लॉट 126 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में दो हजार मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में मुख्यतः मारुति सुजुकी वाहनों के हिस्से-पुर्जे बनाते हैं। कुछ काम होण्डा कारों का भी होता है। मजदूरों में एक भी स्थाई नहीं है, सब को दस से ज्यादा ठेकेदारों के जरिये रखा है। स्टाफ के 100 लोगों में भी 50 ठेकेदार के हैं। बारह घण्टे की ड्युटी के बाद भी फोन कर वरकर को काम करने बुला लेते हैं, कमरे पर जा कर मोटरसाइकिल पर ले आते हैं — मना करने पर : 'कल से ड्युटी पर मत आना।' महीने में 150-175-200 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से और गड़बड़ी कर 12-16-32 घण्टे खा भी जाते हैं। प्रैस शॉप में उत्पादन का ज्यादा जोर रहता है और यहाँ हैल्पर की तनखा 6000 रुपये, ऑपरेटर की 6200-6400 रुपये। बाकी सब जगह सब मजदूरों की तनखा 5813 रुपये — वैल्ड शॉप में 80 रोबोट भी हैं पर वरकर की तनखा 5813 ही। प्रैस शॉप में कम्पनी 12 घण्टे में एक चाय व समोसा देती है, बाकी विभागों में वह भी नहीं। कैन्टीन में थाली 30 रुपये की है, स्टाफ वाले ही लेते हैं, मजदूर अपने साथ रोटी ले जाते हैं। जब 12 घण्टे बाद काम करवाते हैं तब कम्पनी भोजन देती है। फैक्ट्री की बगल में प्लॉट 121 में 100 ट्रक दिन-रात लादे जाते हैं। वर्दी के नाम पर चार कमीज ही देते हैं और तनखा से 800 रुपये काट लेते हैं। हाँ, सब वरकरों को बोनस देते हैं पर मात्र 3500 रुपये। वैसे, गार्डों को बोनस नहीं देते।''

एस जी एम पेपर प्रोडक्ट्स मजदूर : '' प्लॉट 183 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 बजे ड्युटी आरम्भ होती है और 7½ तक, 9½ रात तक जबरन रोकते हैं। लेकिन बड़े लोग आ रहे हैं, ऑडिट है कह कर 23 अप्रैल को अधिकतर मजदूरों को दोपहर 1 बजे फैक्ट्री से बाहर निकाल दिया। ज्यादातर मजदूर ठेकेदारों के जरिये रखे हैं, महिला ज्यादा हैं, नई भर्ती पर तनखा 5500 रुपये और फिर 5800, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। यहाँ विश्व मार्केट के लिये बच्चों की किताबें, डायरी, फाइल छपती हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से भी कम, नये वरकर को 23 रुपये प्रति घण्टा।''

एस्को सेन्टर इन्टरनेशनल श्रमिक : '' ए-11 सैक्टर-62, नोएडा स्थित कार्यस्थल पर हैल्परों की तनखा 5500 रुपये और देरी से देते हैं, 12 से 15 तारीख कर देते हैं।''

फोर्जा मेडी मजदूर : '' प्लॉट 166 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में सुबह 8 से रात 8½ की 12½ घण्टे की शिफ्ट में 1500 मजदूर

(शेष पृष्ठ तीन पर)

निमंत्रण

मई में 31 तारीख वाले रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

Ph. 0129-6567014
E-mail < majdoorsamachartalmel@gmail.com >
E-mail < baatein1@yahoo.co.uk >

कुछ बातें किसानी-दस्तकारी की

[इन पाँच वर्षों में तीव्र से तीव्रतर होती अपनी सामाजिक मौत और सामाजिक हत्या के खिलाफ दस्तकारों तथा किसानों के कदमों ने मिश्र, ट्युनिशिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, इराक-सीरिया, यमन आदि-आदि में उथल-पुथल में उल्लेखनीय भूमिका अदा की है। स्वयं को तथा अपने इर्द-गिर्द वालों को लगातार लहु-लुहान करते किसान और दस्तकार बदहवासी में लाखों की सँख्या में आत्महत्यायें कर चुके हैं। संग ही संग, बन्दूकें उठा कर -आत्मघाती बम बन कर चीन हो चाहे भारत, या फिर रूस, दस्तकार और किसान सत्ता प्रतिष्ठानों को, सरकारों को अस्थिर भी कर रहे हैं। इस सन्दर्भ में हम मजदूर समाचार के मई 2010 में प्रकाशित बातों को यहाँ फिर से छाप रहे हैं।]

कुछ प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण लगते हैं। अनेक आवरणों ने इन्हें ढँक रखा है। कई गाँठें काटनी आवश्यक लगती हैं। इसलिये सार की बातों को उजागर करने के प्रयास में यहाँ हम कई सरलीकरणों का सहारा ले रहे हैं। वर्तमान में और निकट भविष्य में महत्व को हम ने मापदण्ड के तौर पर अपनाया है। जटिलताओं से पार पाने के फेर में महत्वपूर्ण पहलूओं के छूट जाने की काफी सम्भावना है। ऐसी जो बातें आपकी निगाह में आयें उन से कृपया हमें अवगत करायें।

✶अनाज के उल्लेखनीय मात्रा में व्यापार को तीन सौ वर्ष भी नहीं हुये हैं। कृषि पृथ्वी के थोड़े-से क्षेत्रों में दो-ढाई हजार वर्ष से महत्वपूर्ण है और वहाँ उपज का छठा अथवा चौथा भाग अधिकार के तौर पर लिया जाता था। भूदास-प्रथा थी, सामन्तवाद था।

✶मण्डी के लिये अनाज के उत्पादन को कठिनाई से दो सौ वर्ष पूर्व तक उल्लेखनीय भूमिका प्रदान की जा सकती है। ''मुक्त'' हुये भूदासों में से कुछ द्वारा बिक्री के लिये अनाज का उत्पादन आरम्भ हुआ। परन्तु , खेती के संग पशुपालन, कताई-बुनाई, छान-छप्पर, खेल, शिकार, त्यौहार, नाते-रिश्तेदारी, उत्सव, गमी आदि विरासत में मिले थे। इसलिये ''मुक्त'' हुये भूदासों में से जिन्होंने खेती को प्राथमिकता दी, वे काफी समय तक गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह खेती से नहीं चिपटे थे।

✶अपने स्वयं के तथा परिवार के श्रम द्वारा मण्डी के लिये , बिक्री के लिये अनाज पैदा करने को किसानी खेती कहेंगे। किसान काफी नये सामाजिक प्राणी हैं, मजदूरों से थोड़े-ही पहले के हैं।

✶अस्त्र-शस्त्र, आभूषण, वस्त्र आदि का छुटपुट व्यापार दो-तीन हजार वर्ष पूर्व कुछ क्षेत्रों में देखा जा सकता है। दूर-दराज से बढते व्यापार ने भूदास-प्रथा की, सामन्तवाद की कब्र खोदने में उल्लेखनीय योगदान दिया। ''मुक्त'' हुये भूदासों में से कुछ ने बिक्री के लिये वस्त्र, बर्तन, लकड़ी, लोहे के सामान आदि बनाने आरम्भ किये। यह दस्तकार बने और विरासत में थोड़ी खेती, पशुपालन, कताई-बुनाई, छान-छप्पर, खेल, शिकार, त्यौहार, नाते-रिश्तेदारी, उत्सव, गमी आदि लिये थे। इसलिये ''मुक्त'' हुये भूदासों में से उभरे दस्तकार काफी समय तक गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह खड्डी आदि से नहीं चिपटे थे। हाँ, अनाज की तुलना में दस्तकारों द्वारा बनाई वस्तुयें मण्डी में पहले उल्लेखनीय बनी।

✶दूर-दराज के व्यापार ने स्थानीय स्तर पर बचे सामुदायिक कवचों को तोड़ने वालों में महत्वपूर्ण भूमिका अदी की। स्थानीय व्यापार का आधार स्थापित किया। स्थानीय व्यापार बढने लगा। किसान और दस्तकार गुड़ से चिपटे चेंटे की तरह काम से चिपटने लगे। बहुरंगी जीवन की भर्त्सना और एकरंगी मेहनत का गुणगान आरम्भ हुआ।

✶दूर-दराज के व्यापार के संग स्थानीय व्यापार का बढना व्यापारियों का दबदबा लाया और कुछ लाली अपने व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन करने वालों के लिये भी। चार दिन की चाँदनी.....

✶मण्डी में माल की बढती माँग शीघ्र ही मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन करना लाई। अपने व परिवार के श्रम द्वारा मण्डी के लिये उत्पादन और मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन में द्वन्द्व आरम्भ हुआ। फैक्ट्री-पद्धति। भाप-कोयले वाली मशीनरी के दौर में ही मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन ने निजी व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन को इंग्लैण्ड से, पश्चिमी यूरोप से मिटा-सा दिया। दस्तकारों ने अपने काम के घण्टे बढाये, जीवन-स्तर गिराया। बढ़ती बदहाली ने दस्तकारों को मजदूरों की कतारों में धकेला।

✶उत्तरी अमरीका से 1861 में यूरोप को अनाज का निर्यात आरम्भ हुआ। किसानी खेती की उपज, किसानों और उनके परिवारों द्वारा पैदा किये जाते अनाज का निर्यात हुआ। बढती माँग खेती में तीव्र परिवर्तन लाई। खेती में फैक्ट्री-पद्धति बढी। साठ वर्ष में, 1928 आते-आते उत्तरी अमरीका में किसानी खेती ने दम तोड़ दिया। बीस-तीस हजार एकड़ के फार्म और मजदूर.....अमरीका में आज चार प्रतिशत लोग खेती में हैं, मण्डी के लिये अनाज पैदा करते हैं।

✶मजदूर लगा कर मण्डी के लिये उत्पादन स्वयं व परिवार के श्रम से मण्डी के लिये उत्पादन की मौत लिये है, सामाजिक मौत लिये है...... ताकतवर है इसलिये इस-उस आवश्यकता के लिये जमीनों पर कब्जे कर सामाजिक हत्या भी करता है। इन दो सौ वर्ष में दस्तकारी-किसानी सामाजिक मौत, सामाजिक हत्या के सम्मुख है।

✶मण्डी का विस्तार उत्तरी व दक्षिणी अमरीका, आस्ट्रेलिया, एशिया, अफ्रीका में कत्लेआम और लूट के ताण्डव लिये था। यूरोप में यह दस्तकारों-किसानों की सामाजिक मौत और मजदूरों का बढता शोषण लाया। 1914-1919 के युद्ध में ढाई करोड़ लोगों की हत्या और 1939-1945 के युद्ध में पाँच करोड़ लोगों की हत्या....

✶इन पचास वर्षों में एशिया, अफ्रीका, दक्षिणी अमरीका में किसानों-दस्तकारों की सामाजिक मौत, सामाजिक हत्या ने इलेक्ट्रोनिक गति ग्रहण कर ली है। यह आबादी लाखों-करोड़ों में नहीं बल्कि अरबों में है। ऐसे में यह राहत, वह सुधार, यह-वह कृषि नीति को घातक नादानी अथवा क्रूर काँईयाँपन के अलावा किस खाने-खाते में रख सकते हैं ?

✶आज जो मजदूर हैं उनमें अधिकतर की पृष्ठभूमि दस्तकार-किसान की है। आज बहुत बड़ी सँख्या में किसानों-दस्तकारों की सन्तानें मजदूरों की कतारों में आ रही हैं। ऐसे में एक अनिवार्यता की तरह मजदूरों के भाव मण्डी में गिर रहे हैं, निकट भविष्य में और अधिक गिरते दीखते हैं।

ऊँच-नीच, मण्डी, मजदूरी-प्रथा के स्थान पर क्या ? वर्तमान में हावी सामाजिक प्रक्रिया और उससे पार पाने के लिये व्यापक आदान-प्रदान तथा कार्यवाहियों के अलावा और कोई विकल्प नहीं दिखता।◆

कुछ सामान्य....*(पेज दो का शेष)*

निर्यात के लिये उच्च क्वालिटी की व्हील चेयर बनाते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। मुश्किल से 100 स्थाई मजदूर हैं, चार ठेकेदारों के जरिये अधिकतर मजदूर रखे हैं। सवेतन छुट्टी नहीं, कैजुअल छुट्टी नहीं, और त्यौहारी छुट्टी के बदले में साप्ताहिक अवकाश के दिन, रविवार को काम करवाते हैं।''

एस जी एस श्रमिक : ''प्लॉट 174 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित फैक्ट्री में तनखा देते समय कोरे कागज पर हस्ताक्षर पर एतराज का फौरन असर पड़ा।''

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2015 से जनरल केटगरी के लिये निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक	6735 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 259 रुपये)
अर्ध-कुशल श्रमिक	7409 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 285 रुपये)
कुशल श्रमिक	8299 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 319 रुपये)

और इंजीनियरिंग इन्डस्ट्रीज में जहाँ 50 से अधिक श्रमिक हों वहाँ 1 फरवरी 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन हैं :
अकुशल — 6963 रुपये, अर्ध-कुशल — 7649 रुपये, कुशल — 8487 रुपये।

हरियाणा सरकार द्वारा 1 जनवरी 2015 से निर्धारित न्यूनतम वेतन :

अकुशल श्रमिक	5813 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 224 रुपये)
अर्ध-कुशल *ब*	6073 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 234 रुपये)
कुशल श्रमिक *ब*	6333 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 244 रुपये)
उच्च कुशल श्रमिक	6463 रुपये मासिक	(8 घण्टे के 249 रुपये)

ओखला औद्योगिक क्षेत्र.... *(पेज एक का शेष)*

✶ ***पैनेक्स ओवरसीज कामगार :*** '' बी-63 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में फिनिशिंग विभाग में कार्य करते 100 मजदूरों की तनखा 6000 से 6500 रुपये। टेलरों को 8 घण्टे के 320 रुपये।''

✶ ***कम्पुडाटा सर्विसेज वरकर :*** '' शेड 42, डी एस आई डी सी स्कीम 1, ओखला फेज-2 स्थित प्रिन्टिंग प्रैस में ठेकेदार के जरिये रखे मजदूरों की तनखा 5-6 हजार रुपये और इन में 12-15 वर्ष आयु के बच्चे भी हैं।'' ✶ ***इंग लाइन मजदूर :*** '' एफ-280 ओखला फेज-1 में रेलिंग-गेट ग्रिल पॉलिश का काम होता है और यहाँ फरवरी तथा मार्च की तनखायें 1 मई तक नहीं दी थी। हैल्परों की तनखा 8000 रुपये।''

✶ ***कनिका एक्सपोर्ट श्रमिक :*** '' ए-190 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्पर को 8 घण्टे के 250 रुपये और सिलाई कारीगर को 330 रुपये। अधिकतर मजदूरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।''

✶ ***सिटको इन्टरप्राइजेज कामगार :*** ''बी-1 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्पर की तनखा 5500 रुपये और कारीगर की 7500 रुपये। ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं।'' ✶ ***एवन इन्डस्ट्रीयल कटर वरकर :*** '' डब्लू -23 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में हैल्पर की तनखा 8500 और कारीगर की 9500 रुपये। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।''

✶ ***डीटेल एक्सपोर्ट मजदूर :*** '' डी-30 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में प्रैसमैन और चेकर को अकुशल श्रमिक वाला न्यूनतम वेतन देते हैं। कुछ टेलरों को न्यूनतम वेतन जबकि कुछ की तनखा 9542 रुपये है।''

✶ ***किंगडोरियन एक्सपोर्ट श्रमिक :*** '' बी-154 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 6000 रुपये और सैम्पलिंग टेलरों की 10,200 रुपये।'' ✶ ***ऋचा ग्लोबल वरकर :*** '' एफ-23/2 ओखला फेज-2 स्थित फैक्ट्री में मास्टर भर्ती के समय ही 1000 रुपये हर महीने रिश्वत की शर्त मजदूर के सामने रखते हैं।''

पी. एफ. यानी भविष्य निधि

ऑटो इगनिशन मजदूर : '' 46 माइल स्टोन मथुरा रोड़, पृथला, पलवल स्थित फैक्ट्री में 250 स्थाई मजदूर और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 300 वरकर काम करते हैं। यहाँ आयशर, जे सी बी, एस्कोर्ट्स, हॉलैण्ड ट्रैक्टर, एच एम टी, महिन्द्रा, ए सी ई, मारुति सुजुकी, टोयोटा, हुन्डई, देवू आदि के पार्ट्स बनते हैं। ..... स्थाई मजदूर 15 से 30 वर्ष से इस कम्पनी में काम कर रहे हैं और तनखा मात्र 10 से 12 हजार रुपये है। ऐसे में बड़े हो गये बच्चों की पढाई के लिये, शादि के लिये पैसों की जरूरत पड़ती है और मजदूर अपना फण्ड निकालते हैं। फरीदाबाद स्थित भविष्य निधि कार्यालय में नये-पुराने यूनियन नेताओं ने सैटिंग कर रखी है और मजदूर को अपने पैसे निकालने के लिये 1500 से 2000 रुपये देने पड़ते हैं। ऑटो इगनिशन का पी.एफ. कोड एच आर/8590 है और इसे डील करने वाले भविष्य निधि कर्मचारी की मजदूरों से बहुत कहा-सुनी होती है। बेधड़क हो कर वह पैसे माँगता है और कहता है कि सरकार उसकी जेब में है, रिश्वत के पैसों में से आधे पी.एफ. कमीश्नर को देता हूँ, पी.एफ. कर्मचारियों की भी यूनियन है जो सब देख लेगी, जाओ जहाँ बोलना है वहाँ बोल दो।''

एम ए डिजाइन श्रमिक : '' ए-41 सैक्टर-80, नोएडा स्थित मैटल पॉलिश फैक्ट्री के मजदूर अपने फण्ड के पैसे निकलवाने नोएडा के सैक्टर-24 स्थित पी. एफ. कार्यालय जाते हैं तब यह होता है। कम्पनी से फॉर्म भरवा कर पहली बार जाते हैं तब भविष्य निधि कार्यालय में नीचे बैठे कर्मचारी यह-वह कमी निकाल कर फॉर्म वापस दे देते हैं। फिर फॉर्म भरवाते हैं, चैक करवाते हैं, कम्पनी वाले कहते हैं कि सब सही है, पी. एफ. में बोलो कि क्यों जमा नहीं कर रहे। ऐसे में पी. एफ. वाले फॉर्म जमा कर लेते हैं पर मजदूर के पैसे नहीं आते। चक्कर काटने पर नीचे ही कोई भविष्य निधि कर्मचारी बताता है कि ऊपर तीसरी मंजिल पर जाओ और तुम्हारी कम्पनी को डील करने वाले से मिलो। एम ए डिजाइन कम्पनी का पी एफ कोड यू पी - 44221 है। तीसरी मंजिल पर : सर, पैसे निकालने हैं। हो जायेगा। कितने में हो जायेगा पूछने पर वह मुँह से कुछ नहीं बोला। फैक्ट्री में साथियों से बातें होती रही थी, दो हजार रुपये देने लगा तो पी. एफ. वाला बोला कि इतने में नहीं होगा, चोरी से क्यों दे रहे हो, इस में से सब को देना होता है, इसलिये तीन हजार दो। ढाई हजार देने पर मुश्किल से माना और वहाँ अगल-बगल में बैठे 17-18 पी. एफ. वाले यह देख व सुन रहे थे। कितने दिन में पैसे मिल जायेंगे ? परसों बैंक से निकाल लेना। सर, अपना नम्बर दो। क्यों ? बाई चान्स पैसे नहीं आये तो क्या करूँगा। टैन्शन मत लो, यह लो मेरा नम्बर, परसों बैंक से पैसे निकाल लेना। पैसे निकल गये। ''

थीम एक्सपोर्ट वरकर : '' डी-5 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में कार्य करते 800 मजदूरों में से 450 की तनखा से पी. एफ. राशि अक्टूबर 2014 से काटनी आरम्भ की। इन 450 में से 250 मजदूरों को 6-7 महीने में नौकरी से निकाल दिया। निकाल दिये जाने पर एक भी मजदूर को फण्ड के पैसे नहीं मिले। इन्टरनेट पर देखा तो पाया कि कम्पनी ने एक महीने का भी पी. एफ. जमा नहीं किया है।''

पी. एफ. के सन्दर्भ में एक पता :
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली—110066

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया। सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17